नैक (NAAC) द्‌वारा "A" ग्रेड प्राप्त

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्‌यालय, वर्धा

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

(संसद द्‌वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्‌यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

ज्ञान शांति मैत्री

जनसंपर्क विभाग- Ph./Fax: 07152-252651 मो.9960562305 इ-मेल: mgahvpro@gmail.com

वेबसाइट : www.hindivishwa.org

हिंदी विवि में बहार नेचर फाउंडेशन ने किया बीजारोपण

आम, इमली, खजूर के बोए बीज

वर्धा, 18 जुलै 2016 : महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्‌यालय में बहार नेचर फाउंडेशन, वर्धा की ओर से रविवार को विभिन्न किस्म के पेड़ो के बीज बोए गये। विश्वविद्‌यालय परिसर को पर्यावरण की दृष्टि से

और अनुकूल बनाने के लिए बहार नेचर फाउंडेशन ने इस उपक्रम की पहल की।

प्रतिकुलपति प्रो. आनंद वर्धन शर्मा की उपस्थिति में परिसर में आम, इमली और खजूर आदि पेड़ो के बीज बोए गये। इस अवसर पर डॉ. ऊषा शर्मा, डॉ. सत्यकेतु, राष्ट्रीय सेवा योजना के संयोजक राजेश लेहकपुरे, जनसंपर्क अधिकारी बी. एस. मिरगे, बहार नेचर फाउंडेशन के अध्यक्ष प्राध्यापक किशोर वानखेडे, वैभव देशमुख, राहुल वकारे, जयंत सबाने, स्नेहल कुबड़े, सारांश फत्तेपुरिया, रोहिणी वाघोदे, रोहक वाघोदे, प्रगति

bahar
NATURE FOUNDATION
Conservation & Research
76

मिरगे, अन्वेश मिरगे, दर्शन दुधाने, अश्विन श्रीवास, नितीन तिरपुड़े, हिरामन भंडारी आदि ने इस अभियान में

सहभागिता की।

इस पहल की कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने प्रशंसा करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय अपने

आसपास के परिवेश और संस्थाओं से जुड़ना चाहता है और हम विश्वविद्यालय को आगे ले जाने की हर पहल का स्वागत करते हैं। प्रतिकुलपति प्रो. आनंद वर्धन शर्मा ने उनकी लिखी पुस्तक 'औषधीय पौधों की कहानी उन्हीं की जुबानी' की प्रतियां बहार के सदस्यों को भेंट की और उनका आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर बहार नेचर फाउंडेशन ने विश्वविद्यालय परिसर में पक्षी निरीक्षण भी किया।